मानव तस्करी के पीड़ितों के लिए
अन्तर्राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस 2023

अन्तर्राष्ट्रीय
समाजिक न्याय कमीशन
मुक्ति फौज

मैंने उनका रोना सुन लिया है।

वयस्क बाईबल अध्ययन संसाधन

कमिश्नर प्रेमा विल्फ्रेड (रिटायर) द्वारा लिखित
दक्षिण पश्चिमी भारत टैरिटरी

'इस्राएली गुलामी के मध्य कराहते, और चिल्लाते थे। गुलामी में मदद के लिए उनकी पुकार परमेश्वर तक पहुंची। परमेश्वर ने उनका कराहना सुना, और परमेश्वर ने इब्राहीम, इसहाक, और याकूब के साथ बान्धी हुई अपनी वाचा को स्मरण किया।' (निर्गमन 2:23-25 *NRSV*)।

परिचय

हम दुनिया में चाहे कहीं भी रहते हों, आधुनिक गुलामी और मानव तस्करी हमारे आसपास चल रही है। यह हमारे घरों में, मोहल्लों में, गांवों में और शहरों में हमारे देशों में चल रही है।

समूह गतिविधि *15 मिनटस्*

आधुनिक गुलामी और मानव तस्करी के बारे में आप क्या जानते हैं? छोटे समूहों में, इसके बारे में जो कुछ भी आप जानते हैं उसे लिखें और चर्चा करें। प्रत्येक छोटे समूह ने जो चर्चा की है उसे बड़े समूह के साथ साझा करने के लिए समय निकालें।

गुलामी क्या है?

गुलामी उसे कहा जाता है जब एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को नियंत्रित करता है जैसे कि वह व्यक्ति कोई वस्तु या संपत्ति हो। यह नियंत्रण शारीरिक, भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक, आत्मिक या वित्तीय हिंसा के खतरे और/या वास्तविक उपयोग पर आधारित है। जब लोग गुलामी से होकर गुजरते हैं, तब उनका शोषण किया जा रहा होता है। इसका मतलब यह है कि दूसरे व्यक्ति द्वारा अपने स्वार्थी हित और लाभ के लिए उनके साथ गलत व्यवहार किया जा रहा है।

जिन लोगों को गुलाम बनाया जाता है उन्हें अमानवीय बना दिया जाता है और उनके साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है मानो वह कोई वस्तु हों। उनकी पहचान और चुनाव करने की क्षमता उनसे छीन ली जाती है। उनके जीवन के हर क्षेत्र में प्रतिबंध लगा दिए जाते हैं। उन्हें अपनी आशाओं, सपनों, प्रियजनों, अपने अतीत और अपने भविष्य का त्याग करने के लिए मजबूर किया जाता है। अगर उन्हें उनके काम के लिए भुगतान किया जाता है, तो यह मुश्किल से जीवित रहने के लिए पर्याप्त होता है। यह उनसे उनकी आजादी छीन लेता है और उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन है।

2022 के वैश्विक अनुमान बताते हैं कि किसी भी दिन आधुनिक गुलामी और मानव तस्करी का अनुभव करने वाले लोगों की संख्या बढ़कर अनुमानित 49.6 मिलियन हो गई है।

इसका मतलब दुनिया भर में लगभग :

- 27.6 मिलियन लोग जबरन श्रम और यौन शोषण का सामना कर रहे हैं।
- 22 मिलियन लोग जबरन विवाह का अनुभव कर रहे हैं।

दुनिया भर में गुलामी कैसी दिखाई देती है?

दुनिया भर में गुलामी के कई अलग-अलग रूप देखे जा सकते हैं। यहां कुछ उदाहरण दिए गए हैं:

क्लेनम ' के पिता की उनके गाँव में नौकरी चली गई। उनका परिवार बहुत बड़ा था जिसमें बहुत सारे बच्चे थे। जब एक पड़ोसी ने क्लेनम को एक ऐसे व्यक्ति से मिलवाया जो उसे अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी देने और अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने का मौका देने का वादा कर रहा था, तो उसने सोचा कि यह अवसर उसके परिवार की मदद करेगा। एक बार वहां पहुंचने के बाद वह कभी स्कूल नहीं जा सका। इसके बजाय, वह हर दिन 12-14 घंटे झींगे पकड़ने की नावों पर काम करता था, जाल को खोलने के लिए पानी के नीचे गहरे गोते लगाता था और इस खतरनाक काम के बदले उसे बिना किसी वेतन के सिर्फ थोड़ा सा भोजन मिलता था।

फतेमेह ' का परिवार अपने शहर से भाग गया जब मिलिशिया ने चढ़ाई की और वहाँ रहने वालों पर हमला करना शुरू कर दिया। विस्थापित और एक शरणार्थी शिविर में रहते हुए, फतेमेह के पिता ने उसके परिवार को यह बताने के बावजूद कि वह ऐसा नहीं करना चाहती थी, उसकी शादी कर दी। अब, उसके बहुत अधिक उम्र वाले पति और उसकी सास उसके जीवन के हर क्षेत्र को नियंत्रित करते हैं और घर में उसके द्वारा प्रदान किए जाने वाले काम से लाभ उठाते हैं।

सैली का ' नया प्रेमी सुन्दर और आकर्षक है। वह उसे हर समय उपहार देता है। वह उसे बेहद प्यार और स्वीकृत महसूस कराता है। वह हमेशा से किसी ऐसे इन्सान की तलाश में थी जिसके साथ वह रह सके और जो उसकी देखभाल करे। इसके कुछ हफ्तों बाद, उसका प्रेमी उसे बताता है कि उसके ऊपर जो खर्चा किया है वह अब उसे वापस चुकाए और उसके दोस्तों के साथ यौन सम्बन्ध बना कर उसकी मदद करे। जब वह विरोध करने और जाने की कोशिश करती है, तो वह उसके साथ हिंसक हो जाता है और उसके परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी देता है।

बाईबल क्या कहती है?

निर्गमन 2:23-25

परिचय : निर्गमन की पुस्तक इस बात पर जोर देती है कि यहोवा इतिहास से अलग नहीं खड़ा है बल्कि उत्पीड़कों का न्याय करने और दबे-कुचलों को मुक्त करने में सक्रिय रूप से शामिल है। यह इस बात पर जोर देता है कि वह पृथ्वी के किसी भी शासक से अधिक शक्तिशाली है। निर्गमन स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि यहोवा परमेश्वर है जो लोगों को सभी प्रकार के बंधनों से छुड़ाता है और उद्धार, आशा, चंगाई, आनंद और मुक्ति लाता है।

चर्चागत प्रश्न :

- इब्रानी लोग मिस्र में कैसे गुलाम बने?
- उत्पत्ति में यूसुफ की कहानी के बारे में आप क्या जानते हैं?

निर्गमन की शुरुआत हमें उस स्थिति को समझने में मदद करती है जो इस्राएल के लोग उस समय अनुभव कर रहे थे - मिस्र में उनके संघर्ष, उत्पीड़न और गुलामी। जब हम इस विदेशी भूमि में इस्राएल के इतिहास की ओर मुड़कर देखते हैं, तो यह यूसुफ की मानव तस्करी के कारण हुआ था, जिसे उसके भाइयों द्वारा गुलामी में बेच दिया गया था। फिरौन का गुलाम होने के नाते, यूसुफ ने कई कठिनाइयों, पीड़ा और अत्याचार का अनुभव किया। फिर भी, परमेश्वर के पास यूसुफ के जीवन के लिए एक उद्देश्य था। परमेश्वर ने यूसुफ को उसके संघर्षों से छुड़ाया और उसे मिस्र में नेतृत्व के उच्चतम स्तरों तक पहुँचाया। अकाल के समय यूसुफ ने अपने भाइयों को क्षमा किया और उन्हें मिस्र में बसने में सहायता की।

जब यूसुफ की मृत्यु हो गई और एक नया फिरौन सत्ता में आया, मिस्र के लोग अपने देश में इब्रानियों की तेजी से बढ़ती संख्या से घबरा गए थे और जानबूझकर हर एक यहूदी नवजात लड़के को मारने की फिराक में रहने लगे। लेकिन परमेश्वर ने हस्तक्षेप किया और मूसा को अपने उद्देश्य के लिए बचा लिया। यह देखते हुए कि इस्राएली अभी भी तेजी से संख्या में बढ़ रहे थे, मिस्रियों ने उन्हें श्रम - गुलामी में धकेल दिया। बेशक

इस्राएली मिस्र के नागरिक बन गए थे और इस देश के निर्माण और सुधार के लिए काम कर रहे थे, परन्तु तब भी उन्हें मनुष्य नहीं माना जाता था और उनके अधिकार उनसे छीन लिए गए थे। वह उत्पीड़ित थे - उनका जीवन अन्याय की कठिनाइयों, असमानता, दर्द और कड़वाहट से भरा था। फिरौन की ताकत को चुनौती देने या न्याय के लिए लड़ने वाला कोई नहीं था। अपने दर्द और कड़वाहट के मध्य, वह 'गुलामी में कराहए, और परमेश्वर की दोहाई दी।' (निर्गमन 2:23)।

चर्चागत प्रश्न

इस्राएलियों की दोहाई का परमेश्वर ने कैसा प्रतिउत्तर दिया?

अध्याय 2:24-25 अपने लोगों की पुकार के प्रति परमेश्वर की प्रतिक्रिया का वर्णन करता है।

- उसने उनका कराहना और चीखना सुना - न्यू इंटरनेशनल वर्जन में, 'ग्रोन' शब्द 'पुकारने' के विचार से घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है। उस समय इब्रानियों के पास कोई अगुवा नहीं था - जिसके पास वह जा सकें। वह पूरी तरह से असहाय और निराश थे। केवल एक चीज जो वह कर सकते थे, वह था परमेश्वर को पुकारना। मदद के लिए उनकी पुकार किसी बुतपरस्त ईश्वर के पास नहीं बल्कि इस संसार और सारी मानवता के सृजनहार के पास पहुंची। उनकी पुकार उनके पूर्वजों के परमेश्वर तक पहुँची। भजन संहिता 50:15 कहता है, 'और संकट के दिन मुझे पुकार; मैं तुझे छुड़ाऊँगा, और तू मेरी महिमा करने पाएगा।' परमेश्वर ने उनकी पुकार सुनी। परमेश्वर सभी लोगों की पुकार सुनता है।
- उसने अपनी वाचा को स्मरण किया - यह शब्द 'स्मरण किया' हिब्रू में 'जकार' है जो निर्गमन की पुस्तक में एक महत्वपूर्ण धर्मवैज्ञानिक विषय है। हिब्रू में, स्मरण करना केवल एक बौद्धिक व्यायाम नहीं है बल्कि इसमें उस स्मृति पर कार्य करना भी शामिल है। परमेश्वर ने अब्राहम और उसके वंशजों के साथ बिना शर्त प्रतिज्ञाएँ की थी। मनुष्यों के विपरीत, परमेश्वर विश्वासयोग्य है। वह वह अपने द्वारा किए गए वायदों को भूलता नहीं है। वह उन्हें पूरा करेगा भले ही हमें लगे कि ऐसा करने में उसे काफी समय लग रहा है।
- वह चिंतित था - परमेश्वर ने न केवल सुना और स्मरण किया बल्कि वह चिंतित था। इस्राएल का परमेश्वर अपने लोगों की दुर्दशा से अनजान नहीं था और न ही उन्हें गुलामी से बचाने के लिए अनिच्छित था। वह उन्हें मिस्र की गुलामी से बचाने के लिए कुछ करने की योजना बना रहा था। सुनने, स्मरण करने और चिंतित होने की ये क्रियाएं उसकी रचना के प्रति उसकी वफादारी और करुणा के संकेत थे।

यह आयतें जो हम निर्गमन की पुस्तक में पढ़ते हैं, हमें बताती हैं कि दुनिया भर में गुलामी का अनुभव करने वाले लोग अकेले नहीं हैं। परमेश्वर अँधेरे में से उनकी पुकार सुनता है, वह स्मरण करता है और वह चिंतित होता है क्योंकि वह सभी को अपने प्रकाश में लाने के लिए कार्य करता है।

गतिविधि

प्रार्थना का स्थान

'मदद के लिए उनकी पुकार किसी बुतपरस्त ईश्वर के पास नहीं बल्कि **इस संसार** और सारी मानवता के सृजनहार के पास पहुंची'